पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग,उ0प्र0

'मेक इन इण्डिया' में बुन्देलखण्ड क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री

उ0प्र0 के विकास और रोजगार सृजन में डिफेंस कॉरिडोर का अहम स्थान

डिफेंस कॉरिडोर बन जाने के बाद बुन्देलखण्ड का पिछड़ापन व आर्थिक गरीबी दूर होगी : मुख्यमंत्री

सरकार डिफेंस सेक्टर में उद्योग जगत की हर सम्भव मदद करेगी : रक्षा मंत्री

बुन्देलखण्ड के विकास में डिफेंस कॉरिडोर की महत्वपूर्ण भूमिका : केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री

कॉरिडोर में 7 जिले शामिल, भूमि की कोई कमी नहीं, लगभग 3 हजार हेक्टेयर से ज्यादा भूमि चिन्हित

आई0आई0टी0 कानपुर डिफेंस कॉरिडोर में तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगा

स्किल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी डिफेंस कॉरिडोर से लिंक किया जाएगा

झांसी में डिफेंस कॉरिडोर सम्बन्धी बैठक सम्पन्न

लखनऊ : 16 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मेक इन इण्डिया' में बुन्देलखण्ड क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तर प्रदेश के विकास और रोजगार सृजन में डिफेंस कॉरिडोर का अहम स्थान है। झांसी में सबसे अच्छी कनेक्टिविटी है, जिसके कारण डिफेंस कॉरिडोर यहां के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कॉरिडोर बन जाने के बाद बुन्देलखण्ड का पिछड़ापन और आर्थिक गरीबी दूर होगी। क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए कॉरिडोर एक ऐसा माध्यम बनेगा, जिसके द्वारा क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। निवेशकों को कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री जी आज झांसी में डिफेंस कॉरिडोर के सम्बन्ध में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास की नई राह खुल गयी है। प्रदेश में सबसे कमजोर क्षेत्र बुन्देलखण्ड और पूर्वान्चल हैं। इन क्षेत्रों के विकास के लिए डिफेंस कॉरिडोर व एक्सप्रेस–वे महत्वपूर्ण साबित होंगे, जिससे पलायन रुकेगा तथा युवाओं को

रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उद्योग की बहुत सम्भावनाएं हैं।

योगी जी ने प्रधानमंत्री जी की डिफेंस कॉरिडोर के सम्बन्ध में की गयी घोषणा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी उनके इस अभियान को पूरा करने के लिए उत्साह के साथ काम करने को तैयार हैं। डिफेंस कॉरिडोर के लिए यहां पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। साथ ही, उद्यमियों के लिए सम्पर्क मार्ग की सुविधा है। उन्होने प्रदेश के औद्योगिक विकास की चर्चा करते हुए कहा कि हार्डवेयर और लेदर आदि का कार्य यहां बहुलता से होता है। इसकी मार्केटिंग व ब्राण्डिंग हो जाए तो इस उद्योग को और गति मिल जाएगी। झांसी के विकास हेतु रेलवे कारखाना भी आ गया है। साथ ही, फूड प्रोसेसिंग पार्क व एक्सप्रेस–वे भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार डिफेंस कॉरीडोर की स्थापना के लिए कटिबद्ध है।

मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने उपस्थित निवेशकों से कहा कि चेन्नई के पास डिफेंस एक्सपो आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय उद्यमियों ने प्रतिभाग किया और सुखद परिणाम प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि एक्सपो में 45 प्रतिशत तक उत्पादकर्ता इस देश के रहे, जो उच्चगुणवत्ता के उत्पाद तैयार करते हैं। स्मॉल स्केल इण्डस्ट्रीज़ यदि आधुनिक उत्पाद बनाये तो ज्यादा बेहतर होगा। डिफेंस एक्सपो में छोटे–बड़े उद्यमियों को साथ–साथ डिस्प्ले का अवसर दिया, जिससे छोटे उद्यमियों को लाभ हुआ।

रक्षामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा के बाद से ही लगातार रक्षा मंत्रालय व प्रदेश सरकार के अधिकारी कई बैठकें कर चुके हैं, जिसके सुखद परिणाम आये हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में युवाओं की संख्या अधिक है, जिन्हें आगे लाया जाना चाहिए, ताकि उनके इनोवेशन का लाभ लिया जा सके। युवाओं को कॉरिडोर के सम्बन्ध में जानकारी दी जाए तो वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं, उन्हें मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिफेंस सेक्टर में उद्योग जगत प्रतिभाग करे। सरकार उनकी हर सम्भव मदद करेगी। डिफेंस कॉरिडोर की मॉनीटरिंग प्रधानमंत्री जी स्वयं कर रहे हैं।

केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री सुश्री उमा भारती ने कहा कि झांसी में डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण यहां के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। बुन्देलखण्ड की परिस्थिति व भौगोलिक स्थिति इजराइल जैसी है। यहां इजराइल की तर्ज पर विकास सम्भव है। उन्होंने कहा कि सकारात्मकता का वातावरण

बनाया जाए, ताकि डिफेंस कॉरिडोर के साथ ही फूड प्रोसेसिंग पार्क और स्किल डेवलपमेंट को जोड़कर क्षेत्र के विकास को गति दी जा सके। यदि सभी को जोड़कर समन्वित ढंग से काम किया जाए, तो टाइम लाइन में कार्य पूरा हो सकता है। इससे यहां की कैपिटल इनकम में यह क्षेत्र अग्रणी होगा। उन्होंने कहा कि यदि रोजगार यहां मिलेगा तो पलायन की समस्या समाप्त होगी।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त डॉ0 अनूप चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उद्योग स्थापना की असीम सम्भावनाएं हैं। प्रचुर मात्रा में संसाधन उपलब्ध हैं। डिफेंस कॉरिडोर के निर्माण से बुन्देलखण्ड विकास की नई इबारत लिखेगा। कॉरिडोर में 7 जिले शामिल हैं। भूमि की कोई कमी नहीं है। साथ ही, पर्याप्त टेस्टिंग रेंज भी है। लगभग 3 हजार हेक्टेयर से ज्यादा भूमि चिन्हित कर ली गयी है। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे व बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे के माध्यम से आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रदेश की ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों का विस्तार किया जा रहा है।

झांसी डिफेंस कॉरिडोर में एयरक्रॉफ्ट मैन्युफैक्चरिंग इण्डस्ट्री व ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग इण्डस्ट्री विकसित की जाएंगी। भूमि के लिए जल्द ही नोटीफिकेशन किया जा रहा है। आई0आई0टी0 कानपुर डिफेंस कॉरिडोर में तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगा। स्किल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी डिफेंस कॉरिडोर से लिंक किया जाएगा। इसका सीधा लाभ क्षेत्र को मिलेगा।

एस0आई0डी0एम0 के श्री सुब्रतो ने वीडियो के माध्यम से कॉरिडोर के निर्माण में उत्तर प्रदेश को उत्तम सुरक्षा प्रदेश बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एक्स आर्मी पर्सन अधिक है, उनका भी लाभ लिया जा सकता है।

बैठक में आये समस्त अतिथियों का स्वागत मण्डलायुक्त श्रीमती कुमुदलता श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर उन्होंने बुन्देलखण्ड क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी। ग्रामीण अभियंत्रण सेवा मंत्री श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह 'मोती सिंह' ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर बेसिक शिक्षामंत्री राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती अनुपमा जायसवाल, श्रम राज्य मंत्री श्री मनोहरलाल मन्नू कोरी सहित जनप्रतिनिधिगण, शासन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

————————————